सारनाथ के पवित्र बुद्ध अवशेष

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के सारनाथ **स्थित पवित्र बुद्ध अवशेषों** को **मई 2025** में **वियतनाम** में आयोजित संयुक्त राष्ट्र वैसाक दिवस (UNDV) समारोह के अवसर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **बुद्ध अवशेषों के बारे में:**
  - ये अवशेष **उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित मूलगंध कुटी विहार** से संबंधित हैं, यह विहार **महाबोधि सोसाइटी** द्वारा संचालित है, जिसकी स्थापना **अंगारिका धर्मपाल** ने की थी।
  - अवशेषों की **खुदाई 1927–1931** के दौरान नागार्जुनकोंडा **(आंध्र प्रदेश)** में **एच. लॉन्गहर्स्ट** द्वारा की गई थी।
  - इन अवशेषों को 27 दिसंबर, 1932 को **राय बहादुर दयाराम साहनी** ने **भारत के वायसराय** की ओर से महाबोधि सोसाइटी को सौंपा था।
  - यह कार्यक्रम **भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय** और अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ **(IBC)** के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।
- **संयुक्त राष्ट्र वैसाक दिवस (UNDV)**
  - **वैसाक दिवस** बौद्ध धर्म का सबसे पवित्र दिन है, जो **महात्मा बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (ज्ञानोदय)** और महापरिनिर्वाण की स्मृति में मनाया जाता है।
  - **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने **15 दिसंबर, 1999** को एक प्रस्ताव पारित कर इसे **अंतरराष्ट्रीय दिवस** के रूप में मान्यता दी।
  - पहला आधिकारिक आयोजन **वर्ष 2000** में **न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय** में किया गया था।
  - संयुक्त राष्ट्र वैसाक दिवस 2025 की थीम है- **"मानव गरिमा के लिये एकता और समावेशिता के लिये बौद्ध दृष्टिकोण: विश्व शांति और सतत् विकास के लिये बौद्ध अंतर्दृष्टि"**।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC)

- यह सबसे बड़ा धार्मिक बौद्ध संघ है।
- इस संघ का उद्देश्य वैश्विक मंच पर बौद्ध धर्म की भूमिका का निर्माण करना है, ताकि बौद्ध धर्म की विरासत को संरक्षित करने, ज्ञान साझा करने और मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद मिल सके तथा वैश्विक वार्ता में सार्थक भागीदारी के साथ बौद्ध धर्म का संयुक्त प्रतिनिधित्व किया जा सके।
- नवंबर 2011 में नई दिल्ली में **'वैश्विक बौद्ध मंडली' (GBC)** की मेज़बानी की गई थी, जहाँ उपस्थित लोगों ने सर्वसम्मति से एक अंतर्राष्ट्रीय अम्ब्रेला निकाय- अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ (IBC) के गठन के प्रस्ताव को अपनाया।
- **मुख्यालय:** दिल्ली (भारत)

गौतम बुद्ध

Drishti IAS

इन्हें भगवान विष्णु के 10 अवतारों (दशावतार) में से 8वाँ अवतार माना जाता है

जन्म

- सिद्धार्थ के रूप में जन्म (563 ईसा पूर्व)
- जन्मस्थान- लुम्बिनी (नेपाल) कपिलवस्तु के निकट

माता-पिता

- पिता- कपिलवस्तु के निर्वाचित शासक; शाक्य गणसंघ के मुखिया
- माता - कोशल वंश की राजकुमारी

महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

बुद्ध ने स्वयं को तथागत (वह जो जैसा आया था, वैसा ही चला गया) के रूप में संदर्भित किया और बौद्ध ग्रंथों में इन्हें भागवत के रूप में संबोधित किया गया है।

समकालीन व्यक्ति

- वर्धमान महावीर
- बिम्बिसार
- अजातशत्रु

बुद्ध से जुड़े अन्य महत्त्वपूर्ण स्थल

- बोधगया (ज्ञान प्राप्ति) (ज्ञान प्राप्ति के बाद वे बुद्ध के नाम से जाने गए)
- सारनाथ (प्रथम उपदेश)
- वैशाली (अंतिम उपदेश)
- कुशीनगर (मृत्यु (487 ई.पू.) का स्थान)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sacred-buddha-relics-of-sarnath